

## विषय सूची

<b>नीतिशास्त्र : एक परिचय</b>	<b>1-19</b>	4. व्यावहारिक/अनुप्रयोगात्मक नीतिशास्त्र	34
• मनुष्य के जीवन का क्या लक्ष्य होना चाहिए?	1	• पर्यावरणीय नीतिशास्त्र	34
• नीतिशास्त्र क्या है?	2	• कारोबारी नैतिकता	35
• नीतिशास्त्र के निर्धारक तत्व	7	• व्यावसायिक नैतिकता	36
• नीतिशास्त्र और विज्ञान	9	• चिकित्सीय नैतिकता	36
• सिविल सेवा में नीतिशास्त्र का औचित्य व भूमिका	10	<b>मूल्य</b>	<b>37-58</b>
• नीतिशास्त्र के मानक	10	• मूल्य क्या है?	37
• नीतिशास्त्र के प्रकार	11	• मूल्य व नैतिकता	37
• नीतिशास्त्र और मनोविज्ञान	13	• मूल्य व नैतिकता में अंतर	38
• नीतिशास्त्र और समाजशास्त्र	13	• मूल्यों का वर्गीकरण	39
• नीतिशास्त्र और राजनीतिशास्त्र	14	• नीतिशास्त्र और नैतिकता	39
• नीतिशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र	14	• नैतिकता का क्षेत्र	41
• नीतिशास्त्र में निहित चरितार्थ	15	• सदगुण	42
• नैतिक निर्णय लेने के प्रकार	16	• नैतिकता और जीवन के मूल्य	42
• नैतिक निर्णय का आधार	17	• सार्वजनिक जीवन एवं नैतिक मूल्य	43
• विकास के सिद्धांत पर आधारित नीतिशास्त्र	19	• श्रमिक नीतिशास्त्र	46
<b>नीतिशास्त्र तथा मानवीय सहसंबंध</b>	<b>20-36</b>	• मार्केटिंग नीतिशास्त्र	46
• नीतिशास्त्र क्या है?	20	• उत्पादन में नैतिकता	47
• परिभाषा	21	• हित संघर्ष क्या है?	47
• नीतिशास्त्र : एक परिचय	22	• सार्वजनिक संबंधों में नैतिकता	48
• नीतिशास्त्र और उसके बहुआयामी स्वरूप	23	• नोलन समिति का सिद्धांत (ARC 4th रिपोर्ट)	48
• नैतिकता के सारतत्व और व्यवहारिक जीवन	25	• मूल्यों को विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका	49
• नीतिशास्त्र के निर्धारक	27	• मूल्य का आशय एवं प्रासंगिकता	49
• नागरिक सहभागिता	30	• भारतीय परंपरा	50
• नीतिशास्त्र के आयाम	30	• मूल्य विकसित करने में परिवार की भूमिका	51
1. मानक नीतिशास्त्र	30	• मूल्य विकसित करने में समाज की भूमिका	52
2. अधिनीतिशास्त्र	33	• सामाजीकरण	53
3. व्याख्यात्मक नीतिशास्त्र	34	• नागरिकों की पहल	53

(i)

● सिविल सोसायटी	53	● अभिवृत्ति की संरचना	68
● सिटिजन चार्टर	53	● एक विमीय पथ	68
● मीडिया	54	● अभिवृत्तिक उभयवृत्तिता का मूल्यांकन	69
● सामाजिक अंकेक्षण	54	● उभयवृत्तिका के प्रकार	69
● सार्वजनिक सर्वसम्मति बनाना	54	● अभिवृत्ति के कार्य	69
● सामाजिक पूंजी	54	1. स्मिथ मॉडल	69
● सामाजिक अभियांत्रिकी	55	2. काट्ज (Katz) मॉडल	69
● मूल्य विकसित करने में शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका	55	● अभिवृत्ति-व्यवहार का अंतर्संबंध	70
● खेलकूद संबंधी क्रियाएँ	56	● 200 रुपये के लिए झूठ बोलना	70
● प्रार्थना सभाएँ	56	● अभिवृत्ति का आधारभूत ज्ञान	71
● जयंती पर्व	56	● <b>THE TWO STEP CONCEPT</b>	<b>73</b>
● राष्ट्रीय पर्व	56	● अभिवृत्ति परिवर्तन के कारक	73
● शैक्षणिक जीवन में मानवीय मूल्यों के प्रोत्साहन हेतु विभिन्न आयोगों के सुझाव	56	● अभिवृत्ति की संरचना एवं कार्य	75
● विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग का सुझाव	56	● अभिवृत्ति की संरचना	75
● धार्मिक एवं नैतिक शिक्षा समिति का सुझाव	57	● अभिवृत्ति के कार्य	76
● कोठरी शिक्षा आयोग का सुझाव	57	● साधनात्मक कार्य	76
● गंभीर समस्या	58	● अहम रक्षात्मक कार्य	77
● नई पहल	58	● मूल्य उन्मुख कार्य	77
● संस्कृति से जोड़ने वाले क्रियाकलाप	58	● ज्ञान कार्य	77
<b>मनोवृत्ति, अभिवृत्ति, नजरिया या विचार</b>	<b>59-78</b>	● संज्ञानात्मक संघटक	77
● अभिवृत्ति क्या है?	59	● भावात्मक संघटक	77
● अभिवृत्ति एवं अन्य सम्बद्ध प्रत्यय : संक्षिप्त परिचय	60	● व्यवहार संघटक	78
● अभिवृत्ति का स्वरूप	62		
● अभिवृत्ति की मुख्य विशेषताएं	62	<b>धारणा/अनुनय</b>	<b>79-99</b>
● अभिवृत्ति एवं व्यवहार	63	● धारणा	79
● अभिवृत्ति, विश्वास एवं मूल्य	65	● धारणा का सिद्धांत	79
● अभिवृत्ति की आवश्यकता प्रशासन में क्यों?	66	● धारणा के प्रकार	80
● अभिवृत्ति की संरचना	67	● शक्ति या सिद्धांत	80
● अभिवृत्ति के घटकों का व्यावहारिक प्रयोग	68	● संज्ञानात्मक विसंगति सिद्धांत	80
		● टीकाकरण सिद्धांत	80
		● सामाजिक निर्णय का सिद्धांत	81

(ii)

● विचार एवं व्यवहार में मनोवृत्ति का प्रभाव एवं संबंध	82	● मूल्यों की चुनौतियाँ	105
● स्कीमा	82	● असमर्थकवादी/गैर तरफदारी	105
● स्कीमा के प्रकार : व्यक्ति, भूमिका व घटना	84	● सत्यनिष्ठा	106
● स्कीमा: सामाजिक विश्व की व्याख्या करने के लिए संज्ञानात्मक ढांचा	84	1. व्यक्तिगत परिप्रेक्ष्य	107
● सामाजिक संज्ञान पर स्कीमा का प्रभाव	85	2. सामाजिक परिप्रेक्ष्य	107
● मनोवृत्ति द्वारा व्यवहार को प्रभावित करने से संबंधित स्थितियाँ	88	3. व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य	107
● मनोवृत्ति व तत्काल व्यवहारात्मक प्रतिक्रियाएं	89	● लोक सेवा में वस्तुनिष्ठता	107
● नैतिक मनोवृत्ति	90	● लोक उपक्रम में वस्तुनिष्ठता क्यों	108
● नैतिक मनोवृत्ति का अर्थ	91	● लोकसेवकों को अवश्य करना चाहिए	108
● नैतिक मनोवृत्ति का आधार	91	● लोकसेवकों को नहीं करना चाहिए	108
● नैतिक मनोवृत्ति के आधुनिक आधार	92	● निष्पक्षता	108
● नैतिक मनोवृत्ति एवं प्रशासन	93	● निष्पक्षता मापन के आयाम	109
● राजनीतिक मनोवृत्ति	94	● निष्पक्षता की आवश्यकता क्यों?	109
● राजनीतिक मनोवृत्ति को प्रभावित करने वाले कारक	95	● प्रभावित होने के कारण	109
● राजनीतिक मनोवृत्ति के विभिन्न अवयव	97	● लोकसेवा में निष्पक्षता	110
● भारत में राजनीतिक मनोवृत्ति का विकास	97	● वस्तुनिष्ठता	110
1. ब्रिटिश शासन या राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान राजनीतिक मनोवृत्ति	97	● लोक-सेवा के प्रति समर्पण भाव	111
2. आजादी के बाद से 1990 तक राजनीतिक मनोवृत्ति	98	● कमजोर वर्ग के लिए समानुभूति और करुणा	112
3. 1991 के बाद राजनीतिक मनोवृत्ति	98	● समानुभूति/तदनुभूति	113
		● कमजोर वर्गों के प्रति नीति निर्धारण में अन्य अनुप्रयोग	115
		● सहिष्णुता	116
		● केस स्टडी	117
		● कमजोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, संवेदना और सहिष्णुता	118
		● केस अध्ययन का समानुभूति, सहिष्णुता और संवेदना के आधार पर विश्लेषण	118
		● सहानुभूति	119
		● दया	119
		● समानुभूति	119
		● समानुभूति : प्रमुख मनोवैज्ञानिक पहलू	120
		● करुणा	121
<b>अभिक्षमता</b>	<b>100-122</b>		
● सिविल सेवा के लिए अभिक्षमता	100		
● अभिक्षमता के प्रकार	101		
● अभिक्षमता और अभिरूचि में अंतर	102		
● लोक सेवा के आधारभूत या क्रियात्मक मूल्य	104		
● मूल्यों का वर्गीकरण	104		
● अखिल भारतीय सेवाओं का मौलिक रूप	104		
● उद्देश्य	104		
● संरचना	104		

(iii)

<b>सांवेगिक बुद्धिमत्ता</b>	<b>123-140</b>		
• सांवेगिक बुद्धिमत्ता	123	• शासन और राजनीति	143
• शारीरिक क्रिया विधि	123	• शासन के भागीदार	143
• संज्ञानात्मक आधार	124	• शासन के महत्वपूर्ण पक्ष	143
• भावनात्मक समझ किसे कहते हैं?	124	• सुशासन की अवधारणा और उसके तत्व	144
• भावनात्मक समझ की आलोचना	125	• शासन से सुशासन की ओर बदलाव	145
1. खुद को जानना	125	• स्वच्छ शासन के तत्व और तंत्र	146
2. आत्म नियंत्रण	126	• सुशासन के मूल आधार	147
3. प्रोत्साहन	126	• सुशासन के तत्व	148
• भावनात्मक समझ का सारांश	128	• सरल नियम एवं कानून	148
• भावनात्मक रूप से बुद्धिमान व्यक्ति के लक्षण	128	• कानून का शासन	148
• सांवेगिक बुद्धिमत्ता के तत्व	128	• पारदर्शिता	148
1. वैयक्तिक तत्व	128	• उत्तरदायित्व	148
2. अन्तर्वैयक्तिक तत्व	129	• विकेन्द्रीकरण एवं सहयोग	148
• सांवेगिक बुद्धिमत्ता के आयाम (भारतीय संदर्भ)	130	• सामाजिक न्याय	148
• सांवेगिक बुद्धिमत्ता के प्रतिदर्श	130	• सुशासन क्यों?	148
1. क्षमता आधारित प्रतिदर्श	130	• अभिशासन के महत्वपूर्ण पक्ष	151
2. योग्यता प्रतिदर्श	131	• जवाबदेही	151
3. सामाजिक बुद्धि प्रतिदर्श	131	• किसके प्रति जवाबदेही	152
• सांवेगिक बुद्धिमत्ता व्यक्तित्व गुण के रूप में	132	• जवाबदेही के प्रकार	153
• सांवेगिक बुद्धिमत्ता की शासन और प्रशासन में उपयोगिता एवं प्रयोग	134	• जवाबदेही के उपकरण	155
• सांवेगिक बुद्धिमत्ता का कार्यस्थलों में विकास हेतु रणनीति एवं सुझाव	139	• जवाबदेही के उपकरण	155
• संभावित अभ्यास प्रश्न	140	• जवाबदेही और लोक प्रशासन का प्रतिमान	155
<b>अभिशासन</b>	<b>141-171</b>	• “सु-शासन” के अंतर्गत जवाबदेही	157
• पृष्ठभूमि	141	• प्रशासन पर नियंत्रण	160
• सुशासन के तत्व	142	• प्रशासन पर विधायी नियंत्रण	160
• शासन शब्द की उत्पत्ति	142	• विधायी नियंत्रण की सीमाएँ	162
• सरकार बनाम शासन	143	• प्रशासन पर कार्यपालिका का नियंत्रण	164
• शासन बनाम प्रक्रियाएँ	143	• प्रशासन पर न्यायिक नियंत्रण	165
		• न्यायिक हस्तक्षेप का क्षेत्र	165
		• सरकार के विरुद्ध अभियोग	166

• सरकारी कर्मचारियों के विरुद्ध अभियोग	166	• विश्लेषणात्मक निष्कर्ष	193
• न्यायिक पदाधिकारी रक्षा अधिनियम, 1850	167	• डिजिटल इंडिया	194
• असाधारण उपचार	167	• इलेक्ट्रॉनिक्स पर राष्ट्रीय नीति	197
• न्यायिक नियंत्रण की सीमाएँ	169		
• प्रशासन पर जन-नियंत्रण	169	<b>पारदर्शिता</b>	<b>200-201</b>
• प्रशासन पर आंतरिक नियंत्रण	170	• भारत में प्रशासन में पारदर्शिता बढ़ाने के कुछ प्रमुख उपाय	201
		• पारदर्शिता के क्षेत्र में की गई पहलें :	201
<b>ई-शासन</b>	<b>172-199</b>	<b>द्वितीय प्रशासनिक सुधार की रिपोर्ट</b>	<b>202-218</b>
• ई-गवर्नेंस की आवश्यकता	174	• एआरसी क्या है?	202
• ई-प्रशासन के लाभ	174	• परिभाषाएँ	203
• ई-गवर्नेंस के अनुप्रयोग	175		
• ई-गवर्नेंस के चरण	176	<b>सूचना का अधिकार</b>	<b>219-229</b>
• ई-गवर्नेंस में परस्पर क्रियाएं	177	• सूचना का अधिकार क्या है?	219
• अवसंरचना	178	• अधिकार क्षेत्र	219
• केन्द्र सरकार की मिशन मोड परियोजना	180	• परिभाषा	220
• एकीकृत मिशन मोड परियोजना	181	• सूचना प्राप्त करने की प्रक्रिया	220
• राज्य मिशन मोड परियोजना	182	• छूट	220
• भूमि अभिलेख प्रबंधन	184	• शिकायतें एवं अपील	221
• पंचायत	184	• दंड	222
• कृषि व पशुपालन	184	• सार्वजनिक पहुंच	222
• ग्रामीण ई-शासन	187	• स्वतः प्रकटीकरण	222
• समावेशी विकास के लिए ई-प्रशासन का इस्तेमाल	188	• कितना व्यापक है सूचना का अधिकार	223
• आपदा प्रबंधन	188	• सूचना का अधिकार	224
• ई-गवर्नेंस की सफलताएं	189	• सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005	225
• ई-गवर्नेंस की चुनौतियां और संभावनाएं	189	• सूचना के अधिकार के प्रभावी क्रियान्वयन का 'एम' मॉडल	227
• ई-गवर्नेंस पहल	191	• सूचना का अधिकार वर्तमान - Net (इंडिया वाल्ट पोर्टल)	227
• ज्ञानदूत परियोजना- एक विश्लेषण	191	• केन्द्रीय सूचना आयोग	228
• सूचनालय	192	• पदावधि और सेवा शर्तें	228
• सूचक	192	• राज्य सूचना आयोग	228
• समस्याएं जो सामने आईं	193		
• ज्ञानदूत का इस्तेमाल न करने के कारण	193		

<b>नागरिक चार्टर</b>	<b>230-247</b>	• संविधान में सिविल सेवकों की स्वायत्तता	254
• नागरिक चार्टर का विकास	231	• सिविल सेवा में सुधार का नैतिक पक्ष	255
• चार्टर मार्क स्कीम	231	• सार्वजनिक जीवन एवं प्रशासन में सत्यनिष्ठा एवं पारदर्शिता	256
• नागरिक चार्टर के संबंध में भारत का अनुभव	232	• परिचय	256
• दो नागरिक चार्टरों का विश्लेषण	235	• भ्रष्टाचार को काबू में रखने के उपाय	257
• आयकर विभाग (भारत सरकार) का नागरिक चार्टर	236	• केन्द्रीय सतर्कता आयोग (सी.वी.सी.)	258
• नागरिक चार्टरों को प्रभावी बनाना-सुधारों हेतु एजेंडा	237	• केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो	258
• नागरिक चार्टरों के संबंध में संसदीय समिति के विचार	238	• भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में लेखा परीक्षण की भूमिका	258
• सेवोत्तम मॉडल	239		
• संगठनों को नागरिक-केन्द्रित बनाने के लिए नया दृष्टिकोण	244	<b>लोकपाल और लोकायुक्त</b>	<b>260-263</b>
• नागरिक-केन्द्रितता के लिए प्र.सु.आ. सात उपाय मॉडल	244	• लोकपाल की अवधारणा	260
• सिटिजन चार्टर बिल	246	• लोकपाल और लोकायुक्त विधेयक के प्रमुख प्रावधान	261
<b>नियामक निकाय</b>	<b>248-250</b>	• राज्यों में लोकायुक्त	262
• प्रस्तावना	248	• हिसल ब्लोअर संरक्षण विधेयक	262
• स्वतंत्र नियामकीय आयोगों का अभिप्राय एवं विशेषताएं	249	<b>विकास की प्रक्रिया एवं गैर-सरकारी संगठन</b>	<b>264-272</b>
• स्वतंत्र नियामकीय आयोगों के संगठन एवं कार्यप्रणाली	249	• गैर-सरकारी संगठन क्या है?	264
• आयोगों के कार्य एवं प्रकृति	249	• गैर-सरकारी संगठनों के प्रकार	265
• आयोगों की आलोचना	250	• भूमिका	265
<b>लोकतंत्र में लोक सेवकों की भूमिका</b>	<b>249-259</b>	• भारत में गैर-सरकारी संगठन	265
• भारत में सिविल की भूमिका	253	• गैर-सरकारी संगठन: आलोचनात्मक मूल्यांकन	266
• आजादी के बाद सिविल सेवकों के बेहतर प्रदर्शन के कारण	253	• दबाव समूह	266
• 1970 के दशक में नौकरशाही की भूमिका	254	• दबाव समूह का आशय	266
• तीसरा चरण	254	• दबाव समूह के प्रकार	267
• पंचायती राज के युग में सिविल सेवकों की भूमिका में परिवर्तन	254	• व्यापारिक दबाव समूह	267
		• श्रमिक दबाव समूह	267
		• किसान दबाव समूह	267
		• जाति आधारित दबाव समूह	268
		• छात्र दबाव समूह	269

● भारत में दबाव समूहों की विशेषता	269	● मिश्रित अर्थव्यवस्था	279
● नागरिक समाज (सिविल सोसायटी)	269	● विकास की नेहरूवादी नीति	280
● नागरिक समाज की भूमिका	269	● विकास की गांधीवादी नीति	280
● स्वयं-सहायता समूह	270	● विकास की वैश्वीकरण व उदारीकरण की नीति	280
● स्वयं-सहायता समूहों के गठन के लिए निर्देशक सिद्धांत	270	● पंचवर्षीय योजना	280
● भारत में स्वयं-सहायता समूहों का विकास	270	● भारत की औद्योगिक नीति-1	280
● धर्मार्थ संगठन	271	● सन् 1948 की औद्योगिक नीति	280
● चैरिटेबल संगठनों के प्रकार्य	272	● सन् 1956 की औद्योगिक नीति	280
● चैरिटेबल संगठनों का विनियमन	272	● जनता सरकार की औद्योगिक नीति: 1977	281
<b>अति संवेदनशील वर्गों से संबंधित मुद्दा 273-284</b>		● कांग्रेस सरकार की औद्योगिक नीति: 1980	281
● अतिसंवेदनशील वर्गों के विषय में	273	● भारत की औद्योगिक नीति-2: नई औद्योगिक नीति तथा उदारीकरण की प्रक्रिया	281
● भारत में कल्याणकारी नीतियों की आवश्यकता क्यों?	273	● भारत की कृषिगत नीति-1	281
● स्वास्थ्य	274	● गेट व विश्व व्यापार संगठन का प्रभाव	282
● स्वास्थ्य नीतियाँ	274	● सामान्य परिचय	282
● स्वास्थ्य आधार संरचना	275	● विश्व व्यापार संगठन	282
● शिक्षा	275	● औद्योगिक क्षेत्र में प्रभाव	282
● शिक्षा से संबंधित आधार संरचना	276	● निर्यात वृद्धि	282
● शिक्षा नीति	276	● लघु उद्योगों की क्षति व बेरोजगारी में वृद्धि	283
● महिला साक्षरता	276	● विदेशी निवेश	283
● स्कूल शिक्षा और साक्षरता	277	● पेटेंट संरक्षण के प्रभाव	283
● माध्यमिक शिक्षा	277	● भारत में उभरते हुए नीति संबंधी विषय	283
● प्रौढ़ शिक्षा	277	● एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम (अर्थ एवं प्रकृति)	283
● सामाजिक सुरक्षा	277	● एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम के उद्देश्य	283
● सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता क्यों?	277	● एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम की कार्य नीति	283
● सामाजिक सुरक्षा के प्रयास	278	● विशेष निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रम	284
● समस्याएं	278	<b>कार्य संस्कृति 285-290</b>	
● निष्कर्ष :	278	● संगठनात्मक संस्कृति एवं कार्य संस्कृति के बीच सम्बन्ध एवं अंतर	285
● भारत में विकास नीतियाँ	279	● संगठनात्मक कार्य संस्कृति का विकास कैसे होता है?	287
● विकास की बम्बई योजना	279		

● संगठनात्मक कार्य संस्कृति के कार्य	287	● चार महान सत्य	301
● कार्य संस्कृति को बेहतर बनाने के उपाय/सुझाव	289	● दुःख का मूल	301
● सात सामाजिक पाप	290	● दुःख का अन्त	302
<b>भारतीय दार्शनिक परंपरा में नैतिक विचार 291-347</b>		● दुःख के अंत का मार्ग	302
● हिन्दूवाद	291	● परिवार तथा समाज के लिए नियम-निर्धारण	303
● चार मुख्य नैतिक ध्येय	291	● अहिंसा तथा शांति	303
● अर्थ एवं काम	292	● मध्यम मार्ग	303
● धर्म तथा मोक्ष	292	● परहितवाद	304
● वर्णाश्रम धर्म	292	● गांधीवादी नीतिशास्त्र	304
● भगवत् गीता	293	● ईश्वर में आस्था	304
● मुख्य संदेश	293	● नीतिपरक आचरण	305
● मुक्ति (मोक्ष) के मार्ग	293	● सत्य	305
● सद्गुण	293	● समाज की सेवा	306
● बिना लालसा कर्म	294	● हृदय की निर्मलता	306
● सकारात्मक व नकारात्मक मनोभाव	294	● साध्य और साधन	306
● पश्चिमी नैतिक आदर्शों से तुलना	295	● मानव प्रवृत्ति	307
● गीता के नैतिक संदेश के अन्य पहलू	295	● अहिंसा	307
● नैतिक मानदण्ड व अवधारणाएँ	296	● सत्याग्रही की विशेषताएं	308
● कर्म का सिद्धान्त	297	● गांधीजी के अर्थशास्त्रीय विचार	308
● नैतिक मानक या मानदण्ड	297	● न्यासधारिता का सिद्धान्त	309
● मनु के विचार	297	● गांधी जी तथा मार्क्स	309
● महाभारत	297	● धार्मिक सहिष्णुता	309
● संयम	298	● सार संक्षेप	309
● जैन धर्म-दर्शन	299	● परिचय	311
● अहिंसा	299	● दयालुता	311
● मोक्ष का मार्ग	299	● क्षमाशीलता	314
● पाँच नैतिक सिद्धान्त	299	● आत्म नियंत्रण तथा अच्छा मिजाज (क्रोध)	315
● अहंकार	300	● धैर्य	316
● बौद्ध नीतिशास्त्र	300	● कायरता	318
● बौद्ध-दर्शन का अवधारणात्मक ढाँचा	301	● समानुभूति	318
		● परहितवाद	321



● सत्यवादिता	322	● कर्तव्य और दायित्व: नैतिक आधार	363
● शक्ति व नैतिकता	329	● नैतिक निर्णय	365
● विवेक	335	● नैतिक निर्णय की प्रकृति	366
● आत्म-संयम	336	● नैतिक निर्णय के विषय	366
● विनयशीलता	336	● नैतिक निर्णय में साधन तथा साध्य का महत्व	368
● सुनहरी नियम	338	● सुखवाद	369
● अवगुण	339	● सुखवाद के प्रकार	370
● अवगुणों की सूची	339	● बेंथम का उपयोगितावाद या परार्थसुखवाद	371
● विद्वेष	339	● मिल की उपयोगितावाद	371
● आलस्य	340	● उपयोगितावाद संक्षेप में	372
● धनलोभता	341	● नीतिशास्त्र के निर्धारक	372
<b>नीतिशास्त्र का दार्शनिक आयाम</b>	<b>348-399</b>	1. मानवीय क्रियाकलाप की वस्तु	373
● नीतिशास्त्र की परिभाषा	348	2. मानवीय क्रियाकलाप की परिस्थिति	373
● हिन्दुत्व एवं नीतिशास्त्र	350	3. अंत अथवा मानव क्रियाकलाप का उद्देश्य	373
● पुरुषार्थ	351	● नैतिक आधारित संघर्ष	374
● बौद्ध धर्म दर्शन	353	● नैतिक संघर्ष की विशेषताएं	374
● जैन धर्म दर्शन	354	● नैतिक संघर्ष से निपटना	375
● इस्लाम में नैतिक शिक्षा	355	● व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक संबंधों में नैतिकता	375
● मानव मूल्य	356	● शैक्षिक संस्थान और नैतिक मूल्य	376
● परिभाषाएँ	356	● शिक्षक संस्थान के मूल्य सिद्धांत	376
● मूल्यों की विशेषताएं:	356	● सामाजिक और मूल्य संरचना	377
● मूल्यों का वर्गीकरण	357	● मूल्य निर्माण में अभिभावक और संतानों के पारस्परिक कार्यकलाप	378
● मूल्यों का समाजशास्त्री महत्व	358	● पारिवारिक मूल्य एवं महिलाओं की भूमिका	378
● सामाजिक मूल्यों के संदर्भ में राधाकमल मुखर्जी का योगदान	358	● पारिवारिक मूल्यों पर सामाजिक, सांस्कृतिक तथा धार्मिक आयामों का प्रभाव	378
● मानव मूल्य एवं भाव	358	● नवीन समाज के अभिकर्ता के रूप में परिवार	381
● इच्छा, प्रयोजन और संकल्प	360	● व्यक्तित्व की विशेषताएँ तथा बुनियादी जीवन अभिविन्यास	382
● इच्छा, प्रबल इच्छा और संकल्प	361	● पर्यावरणीय नैतिकता	383
● इच्छा प्रयोजन तथा अभिप्राय में संबंध	361	● अंतर्राष्ट्रीय नैतिकता	384
● आचरण तथा चरित्र का नैतिक महत्व	362		

● यथार्थवाद	385	● संक्षिप्त परिचय	400
● नवयथार्थवाद	385	● सुकरात के नैतिक विचार	401
● नवक्लासिक यथार्थवाद	385	● संयमित जीवन	402
● आदर्शवाद	385	● सार संक्षेप	402
● उदारवाद	386	● प्लेटो	402
● मार्क्सवादी विचारधारा	386	● प्लेटो के चार सद्गुण	403
● भारत की विदेश नीति एवं नैतिकता	386	● प्लेटो का सार संक्षेप	404
● परिचय	388	● अरस्तु	404
● भावनात्मक समझ की माप	389	● अरस्तु की नैतिक विचारधारा	405
● योग्यता मॉडल	389	● ऐच्छिक कर्म एवं नैतिक उत्तरदायित्व	405
● MSCET मॉडल	390	● कुछ अन्य पक्ष	406
● मिश्रित मॉडल	390	● बेन्थम का नीतिशास्त्र	406
● विशेषता मॉडल	391	● मनुष्य स्वभाव से सुख की इच्छा एवं दुख से निवृत्ति की कामना करता है।	407
● भावनात्मक सामाजिक समझ मॉडल	391	● स्वार्थ से परार्थ की ओर बढ़ने का कारण	407
● भावनात्मक समझ का महत्व	391	● बेन्थम और मिल के सिद्धांतों में समानताएँ	408
● भावनात्मक बुद्धिमता कैसे विकसित की जाए?	392	● मिल का वेंथम से अंतर/विषमता	408
● भावनात्मक बुद्धिमता को विकसित करने के प्रकार	392	● आलोचना	408
● अपने भावनात्मक समझ को कैसे बढ़ाएं?	392	● लिंग समानता के संदर्भ में तर्क	409
● शासन एवं प्रशासन में भावनात्मक बुद्धिमता	393	● मेरा स्थान और उससे सम्बन्धित कर्तव्य: ब्रेडले	409
● नौकरशाही में भावनात्मक बुद्धिमता का महत्व	393	● जॉन रॉल्स	410
● अभिवृत्ति	393	● कनफ्यूसियस	414
● परिचय	393	● भारत के ऐतिहासिक प्रशासक	415
● अभिवृत्ति को विकसित करने वाले सिद्धांत	394	● सम्राट अशोक	415
● अभिवृत्ति का विकास	395	● शेरशाह सूरी	416
● अभिवृत्ति एवं व्यवहार	395	● अकबर	417
● फिशबिन अभिवृत्ति मॉडल	396	● कबीर	417
● नौकरशाह में अभिवृत्ति	398	1. तर्कवादिता	419
● नौकरशाह में अभिवृत्ति को कैसे परिवर्तित करें?	398	2. जातिवाद का विरोध	419
<b>दार्शनिक, विचारक, सामाजिक ( 400-504 )</b>		3. साम्प्रदायिकता का विरोध	420
<b>कार्यकता, सुधारक</b>		4. आडंबरों का विरोध	420
● सुकरात	400		

5. धन लिप्सा से दूर	421	● निदान का उपाय	442
6. अहिंसा के समर्थक	421	● निदान क्यों जरूरी	442
7. विनम्रता	421	● राजनैतिक पक्ष	442
8. आत्म आलोचना	422	● रामराज्य या धर्म राज्य	443
● राजा राममोहन राय	423	● धार्मिक पक्ष	443
● सामाजिक क्षेत्र	423	● धर्म और राजनीति	443
● धार्मिक क्षेत्र	424	● महत्व एवं प्रासंगिकता	444
● शिक्षा के क्षेत्र में	424	● श्री अरविन्द	444
● आर्थिक विचार	424	● अरविन्द के चिन्तन के दार्शनिक आधार	445
● स्वामी दयानंद सरस्वती	425	● अरविन्द का सामाजिक चिन्तन	445
● ई. वी. रामास्वामी नायकर	426	● अरविन्द का राजनीतिक चिन्तन	445
● धार्मिक विचार	426	● अरविन्द का मानव एकता का आदर्श	447
● सामाजिक विचार	427	● स्वतंत्रता की धारणा	448
● आत्मसम्मान आंदोलन	427	● राष्ट्रवाद की धारणा	448
● स्वामी विवेकानंद	427	● विश्व-संघ की धारणा	449
● मानव	428	● राजनीतिक संघर्ष का तरीका	450
● सार्वभौम धर्म	430	● निष्क्रियता का सिद्धान्त	450
● व्यावहारिक वेदान्त	431	● निष्क्रिय प्रतिरोध के तरीके	451
● ज्योतिराव गोविन्दराव फुले	433	● अरविन्द घोष का योगदान	452
● बाल गंगाधर तिलक	434	● लॉर्ड रिपन	452
● समाज-सुधार संबंधी विचार	434	● जवाहर लाल नेहरू	453
● शिक्षा संबंधी विचार	434	● राष्ट्रवाद संबंधी नेहरू के विचार	453
● राष्ट्रीयता संबंधी विचार	434	● धर्मनिरपेक्षता पर नेहरू के विचार	454
● रवीन्द्रनाथ टैगोर	435	● अंतर्राष्ट्रीयतावाद	454
● महात्मा गांधी	436	● आर्थिक विचार	455
● सर्वोदय का अर्थ	437	● वैज्ञानिक मनोवृत्ति	455
● सर्वोदय के विभिन्न आयाम	438	● वैज्ञानिक मानववाद	456
● न्याय का सिद्धान्त (ट्रस्टीशिप)	439	● लोकतांत्रिक समाजवाद	456
● लघु एवं कुटीर उद्योग पर गांधी के विचार	440	● भीमराव अंबेडकर	456
● सामाजिक विचार	440	● सामाजिक परिवर्तन	457
● गांधी का वर्ण व्यवस्था संबंधी विचार	440	● आचार्य विनोबा भावे	457
		● सरदार वल्लभभाई पटेल	458

● प्रशासन में प्रतिबद्धता	460	● जॉर्ज विलहेम फ्रेड्रिक हेगेल	477
● सही कार्य के लिए सही व्यक्ति का चयन	460	● हेगेल का ब्रह्म	479
● आधुनिक भारत के निर्माण में सरदार पटेल		● समीक्षा	479
● का योगदान	460	● दीनदयाल उपाध्याय	480
● पटेल और प्रशासनिक प्रतिबद्धता प्रशासनिक		● आर्थिक विचार	480
● नैतिकता पर विचार	460	1. एकात्म मानव दर्शन	481
● पटेल से क्या शिक्षा मिलती है	461	2. एकात्म अर्थ नीति	482
● सांगठनिक स्तर पर कहां प्रायोगिक	462	3. कृषि	485
● वर्तमान में प्रशासक क्या सीख सकता है?	463	4. विदेशी पूंजी एवं रूपये का अवमूल्यन	485
● एम. एन. राय	464	5. अर्थ संस्कृति	486
● डॉ. राममनोहर लोहिया	465	● सांस्कृतिक राष्ट्रवाद: भारतीयों की अभिव्यक्ति	486
● डॉ. राममनोहर लोहिया और समाजवाद	466	● भारत की विश्व को देन	487
● लोहिया के समाजवाद की विशेषताएं	466	● संघर्ष का आधार	487
● लोहिया के आर्थिक विचार	467	● संस्कृतियों का संघर्ष	487
● लोहिया के सामाजिक विचार	467	● एक राष्ट्र और एक संस्कृति	488
● राजनीतिक विचार	468	● अन्त्योदय विचार	488
● डॉ. लोहिया के अन्तर्राष्ट्रीयतावाद संबंधी विचार	468	● द्वि-संस्कृतिवाद	489
● मूल्यांकन	469	● बहु-संस्कृतिवाद	489
● ई. श्रीधरन	469	● अन्त्योदय	489
● बी. पी. मेनन	470	● एकात्म मानव दर्शन	489
● वर्गीस कूरियन	471	● आर्थिक लोकतंत्र	489
● आर्मस्ट्रांग (भारतीय प्रशासनिक सेवा)	472	● पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की उपादेयता	489
● अनुकरणीय प्रशासनिक गुण	472	● गुरु नानक	490
● ए. के. लखीना (भारतीय प्रशासनिक सेवा)	472	● एक ईश्वर में विश्वास	490
● इमैनुअल कॉण्ट	473	● सतनाम में अलौकिक शक्ति	491
● कर्तव्य : नैतिक मानदंड या मानक	473	● गुरु का महत्त्व	491
● निश्चित सकारात्मकता	474	● क्रियाकर्मों एवं अंधविश्वास का परित्याग	491
● निश्चित सकारात्मकता एवं 'नियम' उपयोगितावाद	474	● जातिप्रथा का बहिष्कार	491
● निश्चित सकारात्मक का दूसरा सूत्रीकरण	475	● मूर्ति पूजन का खण्डन	491
● कठोर नैतिकता	475	● गुरु नानक की शिक्षाओं का प्रभाव	491
● काण्ट के सिद्धांतों की आलोचना	476		

● गुरु नानक के दस सिद्धांत	492	● तथा राष्ट्रवादी व्यक्तित्व के रूप में परिचय	496
● गुरु नानक की शिक्षाओं का प्रशासनिक दृष्टिकोण से महत्व	492	● सार संक्षेप	498
● मौलाना अब्दुल कलाम आजाद	493	● पश्चिम के आचारशास्त्री	498
● धार्मिक चिंतन	493	● अरस्तु	498
● राजनैतिक चिंतन	494	● भारतीय दार्शनिक परम्परा में नैतिक विचार	499
1. राष्ट्रवाद	494	● हिन्दू धर्म	499
2. हिंदू मुस्लिम एकता	495	● जैन धर्म	500
3. अहिंसा के समर्थक	495	● बौद्ध धर्म	501
4. प्रजातंत्र के समर्थक	495	● महात्मा गांधी	502
● मौलाना आजाद की राजनीतिक चिन्तन को देन	496	● महान नेताओं, सुधारकों और शासकों के जीवन से शिक्षा (सार संक्षेप)	503
● सामूहिक राष्ट्रवाद	496		
● मौलाना अबुलकलाम आजाद का एक शिक्षाविद्		<b>महत्वपूर्ण शब्दार्थ</b>	<b>505-527</b>